2 कुरिन्थियों 9:11–12 को समझना: हमें आशीर्वाद देने में
परमेश्वर का उद्देश्य

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

2 कुरिन्थियों 9:11–12

“तुम सब प्रकार से समृद्ध होगे, ताकि हर अवसर पर उदार बन सको,
और हमारे द्वारा तुम्हारी उदारता परमेश्वर को धन्यवाद दिलाएगी।
यह सेवा जो तुम करते हो, केवल प्रभु के लोगों की जरूरतों को पूरा नहीं करती, बल्कि परमेश्वर को कई धन्यवादों में भी भर देती है।”

व्याख्या

1. परमेश्वर आध्यात्मिक और भौतिक दोनों प्रकार के आशीर्वाद का स्रोत है
पौलुस इस भाग की शुरुआत करते हुए करिन्थ के विश्वासियों को याद दिलाते हैं कि परमेश्वर ही प्रदाता है। वह 10वें पद में कहते हैं:

“वह जो बीज बोने वाले को बीज और भोजन के लिए रोटी देता है,
वही तुम्हारे बीज के भंडार को भी बढ़ाएगा…” (2 कुरिन्थियों 9:10)

2 कुरिन्थियों 9:11–12 को समझना: हमें आशीर्वाद देने में परमेश्वर का उद्देश्य

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

यह बात याकूब 1:17 से मेल खाती है:

“हर अच्छी और पूर्ण देन ऊपर से आती है, आकाशीय प्रकाश के
पिता से…”

यह दर्शाता है कि हमारे पास जो कुछ भी है—संसाधन, धन, समय, कौशल—सब परमेश्वर की देन हैं, और वह इन्हें एक उद्देश्य के साथ देता है।

2. आशीर्वाद का उद्देश्य: उदारता, आत्मसंतुष्टि नहीं
पौलुस स्पष्ट करते हैं कि परमेश्वर हमें क्यों आशीषित करता है:

“तुम सब प्रकार से समृद्ध होगे, ताकि हर अवसर पर उदार बन
सको…” (2 कुरिन्थियों 9:11)

समृद्धि का उद्देश्य विलासिता या स्वार्थ नहीं, बल्कि राज्य की उदारता है। पौलुस पुराने नियम के उस सिद्धांत को दोहराते हैं जो दूसरों, विशेषकर गरीबों और विश्वासियों की देखभाल करता है (नीतिवचन 19:17 देखें:

2 कुरिन्थियों 9:11–12 को समझना: हमें आशीर्वाद देने में
परमेश्वर का उद्देश्य

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

“जो गरीबों के प्रति दयालु है, वह यहोवा को उधार देता है…”

पौलुस इसे 2 कुरिन्थियों 9:8 में फिर से पुष्टि करते हैं:

“परमेश्वर तुम्हें इतनी कृपा दे कि तुम सब समय हर तरह के
अच्छे कार्यों में भरपूर रहो।”

आशीर्वाद हमेशा जिम्मेदारी लाता है। परमेश्वर हमें संसाधन देता है ताकि हम उसका स्वभाव—विशेषकर उसकी उदारता और जरूरतमंदों के प्रति देखभाल—दिखा सकें।

3. उदारता से धन्यवाद उत्पन्न होता है और परमेश्वर की महिमा होती है
हमारा देना केवल व्यावहारिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक भी है। यह लोगों को परमेश्वर की प्रशंसा और धन्यवाद करने पर प्रेरित करता है:

2 कुरिन्थियों 9:11–12 को समझना: हमें आशीर्वाद देने में परमेश्वर का उद्देश्य

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

“हमारे द्वारा तुम्हारी उदारता परमेश्वर को धन्यवाद दिलाएगी।” (2 कुरिन्थियों 9:11)
“…कई धन्यवादों में परमेश्वर को प्रकट होगी।” (2 कुरिन्थियों 9:12)

यह मत्ती 5:16 से मेल खाता है:

“अपने अच्छे कामों को लोगों के सामने चमकने दो, ताकि वे तुम्हारे पिता परमेश्वर की महिमा करें।”

दाना देना एक सेवा बन जाता है जो दूसरों के हृदयों में पूजा जगाता है।

4. देना पूजा और सुसमाचार के प्रति आज्ञाकारिता का एक रूप है फिर 13वें पद में पौलुस कहते हैं:

“…जिस सेवा द्वारा तुमने स्वयं को सिद्ध किया है, उसके कारण अन्य लोग सुसमाचार के प्रति तुम्हारी आज्ञाकारिता की प्रशंसा करेंगे…” (2 कुरिन्थियों 9:13)

2 कुरिन्थियों 9:11–12 को समझना: हमें आशीर्वाद देने में
परमेश्वर का उद्देश्य

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

उदारता सच्चे विश्वास का फल है। यह उस सुसमाचार को जीने का तरीका है जिसे हम स्वीकार करते हैं। यह केवल एक लेन-देन नहीं, बल्कि एक गवाह है।

5. देना और काटना: एक बाइबिल सिद्धांत
इस अध्याय के पहले ही, पौलुस बोने और काटने के सिद्धांत को सिखाते हैं:

“ध्यान दो: जो थोड़ी बोएगा, वही थोड़ी काटेगा; और जो उदारता से बोएगा, वही उदारता से काटेगा।” (2 कुरिन्थियों 9:6)

यह सिद्धांत हमें याद दिलाता है कि परमेश्वर विश्वास के साथ दिए गए को सम्मानित करता है और बढ़ाता है (तुलना के लिए लूका 6:38 देखें:

“दो, तो तुम्हें दिया जाएगा…”)।

निष्कर्ष और उपदेश

2 कुरिन्थियों 9:11–12 को समझना: हमें आशीर्वाद देने में
परमेश्वर का उद्देश्य

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

तो, पौलुस हमें 2 कुरिन्थियों 9:11–12 में क्या सिखा रहे हैं?

परमेश्वर हमें आध्यात्मिक और भौतिक रूप से आशीषित करता है ताकि हम दूसरों को आशीषित कर सकें।
हमारी उदारता जरूरतों को पूरा करती है, परमेश्वर की महिमा करती है, और हमारे विश्वास को कर्मों में दिखाती है।
देना हमारे आज्ञाकारिता, पूजा और सुसमाचार के गवाही का हिस्सा है।

आइए हम प्रार्थना करें:

“हे प्रभु, हमें वह सब कुछ भली-भांति सँभालने वाले बनाना जो तूने हमें सौंपा है। हमारा देना हमेशा तेरी उदारता को प्रतिबिंबित करे और तेरे नाम की महिमा हो।”

धन्य रहो और आशीष बनो।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp